DEl. Ed. IInd Sem.

Subject → S.S.T

Topic :- हर्ष के शासन काल की घटनाएँ

कन्नौज की धार्मिक सभा

जब ह्वेनसांग हर्ष की राजधानी कान्यकुब्ज में आया तो हर्ष ने उसका अभूतपूर्व स्वागत किया। इसके लिए उसने एक सभा का आयोजन किया। इस सभा का आयोजन 643 ई० में हुआ, जिसमे 22 देशों के नरेश, 3000 श्रमण 3000 ब्राह्मण, जैन तथा नालन्दा के 1000 पुरोहितों ने भाग लिया। इन विद्वानों के आवास के लिए घास फूस के शिविर बनाए गए। सभा के पहले दिन बुद्ध की मूर्ति को एक हाथी पर रख कर जुलुस के रूप में पूरे नगर में घुमाया गया। सभा मण्डप में सभापति का आसन ह्वेनसांग ने ग्रहण किया। सभा 23 दिन तक चलती रही। इस सभा में महायान सम्प्रदाय को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। ऐसा कहा गया कि ब्राह्मणों की प्रतिक्रिया स्वरूप सभा मण्डप में आग लगा दि गई। हर्ष पर प्रहार भी किया लेकिन वह बच गया। उसने 500 ब्राह्मणों को पकड़वा लिया और उन्हें निष्कासित कर दिया गया।

P.T.O

Scanned with CamScanner

प्रयाग की धार्मिक सभा

हर्ष अपनी दानशीलता के लिए इतिहास में प्रसिद्ध है। प्रति पाँचवे वर्ष प्रयाग में उसका महादान उत्सव उसकी दान-शीलता का ज्वलन्त उदाहरण है। वह प्रयाग में पाँचवे वर्ष दान-महोत्सव का आयोजन करता था। उस अवसर पर साधुओं, अनाथों, रोगियों इत्यादि को करोड़ों की सम्पत्ति दान में दे देता था। अस्त्र शस्त्रों के अतिरिक्त अपना सब कुछ दान देने के उपरान्त परम शान्ति व सन्तोष का अनुभव करता था। 643-44 ई० में प्रयाग की छठी सभा महोत्सव में ह्वेनसांग भी उपस्थित था यह सभा 75 दिन तक चली थी। इस सभा में सामान्यत: 5 लाख व्यक्ति सम्मिलत हुए थे।

Thankyou

by
Mr. Parveen Raj
ASS's Prof.
B.R.C. Deoband.
(SRE)